Roll No. ……..

BAJY–302

मेलापक एवं विवाह मुहूर्त विचार

कला में स्नातक (बी. ए.–12/16) ज्योतिष

तृतीय वर्ष, परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 60

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. द्विरागमन मुहूर्त का विस्तार से वर्णन कीजिये।
2. सम्मुख शुक्र गत दोषों के परिहार को लिखिये।
3. राशिकूट को समझाते हुए राशिकूट के दोषों के परिहार को लिखिये।
4. विवाह में ग्रहशुद्धि का विस्तृत विवेचन कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वैधव्य योगों के परिहार का विवेचन कीजिये।
2. मेलापक में राशियों का वर्ण बताते हुए वर्ण शुद्धि का विचार कीजिये।
3. मेलापक में गणदोष को समझाते हुए इसके परिहार को प्रतिपादन कीजिये।
4. मेलापक में नाड़ी विचार का विवेचन कीजिये।
5. वधू प्रवेश काल को लिखिये।
6. द्विरागमन में सम्मुख शुक्र को विचार कैसे किया जाता है ? स्पष्ट कीजिये।
7. गृह मैत्री का वर्णन कीजिये।
8. क्रान्ति साम्य को बताते हुए विवाह में विचारणीय क्रान्ति साम्य दोष को बताइये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. बुध की उच्च राशि है :

   (i) कन्या (ii) मीन

   (iii) कर्क (iv) मेष

2. नाड़ी की गुण संख्या है :

(i) 5 (ii) 7

(iii) 8 (iv) 6

3. कुम्भ विवाह से दोष का समाधान होता है :

(i) बुध दोष का

(ii) गुरु दोष का

(iii) शनि दोष का

(iv) कुज दोष का

4. वधू का पतिगृह में प्रवेश उत्तम होता है :

(i) 16 दिनों में (ii) 20 दिनों में

(iii) 24 दिनों में (iv) 36 दिनों में

5. वधू प्रवेश में निम्नलिखित वार त्याज्य हैं :

(i) सोमवार (ii) गुरुवार

(iii) शुक्रवार (iv) मंगलवार, रविवार

6. विवाह के बाद नववधू प्रथम ज्येष्ठ मास में पतिगृह में रहती है तो :

(i) सास का नाश

(ii) श्वसुर का नाश

(iii) वधू का नाश

(iv) पति के ज्येष्ठ भाई का नाश

7. विवाह के बाद द्विरागमन शुभ होता है :

(i) एक वर्ष के अन्दर

(ii) एक वर्ष के बाद विषम वर्षों में

(iii) समवर्षों में

(iv) सम दिनों में

8. भृगु, अङ्गिरा, वत्स, वसिष्ठादि गोत्रों में उत्पन्न होने वालों को निम्नलिखित दोष नहीं होता है :

(i) सम्मुख सूर्य दोष

(ii) सम्मुख गुरु दोष

(iii) सम्मुख शुक्र दोष

(iv) सम्मुख चन्द्र दोष

9. पूर्णा संज्ञक तिथियाँ हैं :

(i) 5, 10, 15 (ii) 6, 8, 9

(iii) 11, 12, 7 (iv) 1, 2, 3

10. गुरु की उच्च राशि है :

(i) मेष (ii) कर्क

(iii) मीन (iv) कन्या